(ख) उनके मंत्रालय द्वारा नियुक्त किये गये शिक्षकों को 250–475 रुपये का वेतनक्रम न दिये जाने के क्या कारण हैं जबकि परीक्षा निकाय तथा पाठ्यक्रम एक ही है; और

(ग) उनके मंत्रालय में हिन्दी शिक्षकों की नियुक्ति तथा पदोन्नति का क्या तरीका है तथा उसका ब्यौरा क्या है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) और (ख). एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है । [पुस्तकालय में रखा । देखिये संख्या LT-1736/68]

(ग) सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जायेगी ।

रेलों पर ठेके

3927. श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या रेलवे मंत्री 23 अप्रैल, 1968 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1384 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रेलवे द्वारा मैसर्स एस० ए० ए० एस० इंजीनियरिंग कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड और एस० ए० ए० एस० टावर (प्राइवेट) लिमिटेड, कलकत्ता को अलग-अलग कितने ठेके दिये गये तथा वे कितने-कितने मूल्य के थे, और किस-किस तारीख को दिये गये;

(ख) ये कम्पनियां किस-किस तारीख को स्थापित हुई थीं और पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय और रेलवे द्वारा उन्हें किस-किस तारीख को स्वीकार किया गया था;

(ग) इस क्षेत्र में उन कम्पनियों का कितना तथा किस-किस प्रकार का अनुभव था;

(घ) क्या गैर-सरकारी क्षेत्र में भी उनको ठेके प्राप्त हैं; और

(ङ) उन कम्पनियों में निदेशकों तथा प्रबन्धक निदेशकों के पदों पर अब तक नियुक्त हुए व्यक्तियों के नाम क्या-क्या हैं तथा उन्होंने कितने-कितने समय तक उन पदों पर काम किया ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) मैसर्स एस० ए० ए० एस० इंजीनियरिंग कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड, कलकत्ता को केवल एक ठेका 14.28 लाख रुपये का दिया गया था । स्वीकृति पत्र 6-11-1967 को जारी किया गया और करार पर 2-3-1968 को हस्ताक्षर हुए । मैसर्स एस० ए० ए० एस० टावर (प्राइवेट) लिमिटेड को रेलों द्वारा कोई ठेका नहीं दिया गया है ।

(ख) कम्पनियों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार मैसर्स एस० ए० ए० एस० इंजीनियरिंग कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड जुलाई, 1965 में और मैसर्स एस० ए० ए० एस० टावर (प्राइवेट) लिमिटेड मई, 1967 में स्थापित हुई थी । मैसर्स एस० ए० ए० एस० इंजीनियरिंग (प्राइवेट) लिमिटेड और मैसर्स एस० ए० ए० एस० टावर (प्राइवेट) लिमिटेड कम्पनियां महानिदेशक संभरण और निपटान द्वारा पंजीकृत नहीं हैं । रेलें इस तरह के कामों के लिए अनुमोदित ठेकेदारों की कोई सूची नहीं रखती ।

(ग) मैसर्स एस० ए० ए० एस० इंजीनियरिंग कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड फर्म को कलकत्ता क्षेत्र में डाक और तार विभाग की माइक्रोवेव प्रणाली के उप-ठेकेदार के रूप में माइक्रोवेव टावरों की नींव डालने, उन्हें खड़ा करने और परीक्षण करने का अनुभव है ।

मैसर्स एस० ए० ए० एस० टावर (प्राइवेट) लिमिटेड के पास पहले से डाक और तार विभाग के दो ठेके हैं—एक रांची में माइक्रोवेव टावर खड़ा करने के लिये और दूसरा जोरहाट-तिनसुकिया खण्ड में

इसी तरह के टावर खड़े करने के लिये। इस ठेके में केवल सिविल इंजीनियरिंग सम्बन्धी काम और टावर खड़े करने का काम किया जा रहा है । टावर डाक और तार विभाग सप्लाई कर रहा है ।

(घ) यह सूचना रेलों के पास उपलब्ध नहीं है ।

(ङ) कम्पनियों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार मैसर्स एस० ए० ए० एस० इंजीनियरिंग कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड के निदेशकों के नाम इस प्रकार हैं :—

(i) श्री एस० राय चौधरी

(ii) श्री पी० के० साहा

(iii) श्री ए० के० सरकार

और मैसर्स एस० ए० ए० एस० टावर (प्राइवेट) लिमिटेड के निदेशकों के नाम इस प्रकार हैं :—

(i) श्री बी० सी० गुहा

(ii) श्री एस० राय चौधरी

(iii) श्री ए० के० सरकार

(iv) श्री पी० के० साहा ।

निदेशकों के कार्य-काल का रेलों को पता नहीं है ।

मुगलसराय रेलवे लोको शैड के कर्मचारियों द्वारा हड़ताल

3928. **श्री कम चन्द कछवाय :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मुगलसराय लोको शैड के कर्मचारियों ने मई, 1968 में हड़ताल की;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण थे और वे कितने दिनों तक हड़ताल पर रहे; और

(ग) सरकार ने इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) मुगलसराय लोको शैड के कुछ सेकेण्ड फायरमैन और क्लीनरों की गैर-हाजिरी और ऊंचे ग्रेडों में स्थानापन्न काम करने से इन्कार करने के कारण गाड़ियों के सामान्य संचालन में रुकावट पड़ी ।

(ख) आंदोलन इसलिए किया गया था ताकि ऊंचे ग्रेडों में पदोन्नति/स्थायीकरण आदि सेवा सम्बन्धी अपनी शिकायतों की ओर वे रेल प्रशासन का ध्यान दिला सकें ।

यह बताना संभव नहीं है कि आंदोलन कितनी अवधि तक चला क्योंकि बहुत से कर्मचारियों ने बीमार होने की सूचना दी तथा छुट्टी आदि के लिए अर्जी भेजी ।

(ग) जिन मांगों पर नियमों के अन्तर्गत विचार किया जा सकता था, उन पर कार्रवाई की गई है ।

दिल्ली और नई दिल्ली स्टेशनों पर गाड़ियों का देर से आना

3929. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 24 घण्टों में दिल्ली और नई दिल्ली स्टेशन पर कितनी यात्री गाड़ियां आती हैं और उक्त अवधि में इन स्टेशनों से कितनी यात्री गाड़ियां छूटती हैं;

(ख) क्या यह सच है कि 17 जून, 1968 को दिल्ली और नई दिल्ली स्टेशन पर पहुंचने वाली अधिकांश यात्री गाड़ियां देर से आई थीं; और

(ग) यदि हां, तो कितनी गाड़ियां अपने पहुंच समय के पश्चात् पहुंची थीं और वे कितना-कितना समय देर से आई थीं ।

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) प्रत्येक ओर से नई दिल्ली/दिल्ली स्टेशनों पर क्रमशः 52 और 76 गाड़ियां आती हैं और यहां से छूटती हैं ।